



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26 ]  
No. 26]नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 7, 2003/फाल्गुन 16, 1924  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 7, 2003/PHALGUNA 16, 1924

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण

अधिसूचना

हैदराबाद, 26 फरवरी, 2003

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ( भारतीय बीमा कंपनियों का पंजीकरण )  
( संशोधन ) विनियम, 2003

फा.सं. बी.वि.वि.प्रा./रजि./26/2003.—प्राधिकरण, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999(1999 का 41) की धारा 26 के साथ पठित बीमा अधिनियम, 1938(1938 का 4) की धारा 114 क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बीमा सलाहकार समिति के परामर्श से बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ( भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण ) विनियम, 2000, का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) (संशोधन) विनियम, 2003 है।
- (2) ये केवल विनियम 2 की धारा (पप) को छोड़कर, जिसे 1 अप्रैल 2001 से प्रवृत्त समझा जाएगा राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 2000 में, —
  - (i) विनियम 20 के उपविनियम (1) में विद्यमान शब्दों, कोष्ठकों और अक्षर "इसके पूर्ववर्ती खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित कोष्ठकों, अंको और शब्दों को रखा जाएगा :  
“(1) कोई बीमाकर्ता, जिसे अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत प्रमाणपत्र मंजूर किया गया है, प्रत्येक वर्ष दिसम्बर के 31वें दिन के पूर्व प्राधिकरण को प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर6 में नवीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर5 में आवेदन करेगा और ऐसे आवेदन के साथ उतनी फीस के भुगतान का साक्ष्य होगा जो,—”
  - (ii) विनियम 20 के उपविनियम (1) के खंड (ख) के आरम्भ में “पांचवां भाग” शब्द के स्थान पर “दसवां भाग” शब्द रखे जाएंगे।

(iii) प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर4 के पश्चात् प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर5 के रूप में निम्नलिखित प्ररूप जोड़ा जाएगा :

प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर5  
नवीकरण के लिए आवेदन

दिनांक: .....

द्वारा : (बीमाकर्ता का नाम) .....

सेवा में : बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण

महोदय,

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 2000 के विनियम 20 की उपेक्षा के अनुसार हम ..... से ..... वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण हेतु आवेदन करते हैं।

वित्तीय वर्ष ..... से ..... तक में भारत में हमारा प्रत्यक्ष लिखित सकल प्रीमियम ..... रूपए था।

तदनुसार, हम ..... रूपए का, एक बैंक ड्राफ्ट संख्या ..... दिनांक ..... जो, ..... हैदराबाद पर आहरित, संलग्न कर रहे हैं।

कृपया नवीकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करें।

भवदीय,

(हस्ताक्षरकर्ता का नाम)  
(पद)

टिप्पण : रजिस्ट्रीकरण का नवीकरण वित्तीय वर्ष के लिए होगा।

वर्ष 1.4.71 से 31.3.71 के लिए फीस वित्तीय वर्ष 1.4.71-2 से 31.3.71-4 के सकल प्रीमियम पर आधारित होगी। यह आंकड़े संपरीक्षित वार्षिक लेखा के आंकड़ों से मेल खाने चाहिए।

वर्ष 1.4.71 से 31.3.71 के लिए नवीकरण हेतु आवेदन प्राधिकरण के समक्ष दिनांक 31.12.71 तक भेज दिया जाएगा।

(iv) उपरोक्त प्ररूप को जोड़ने के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के फार्मेट को विहित करने वाले विद्यमान प्ररूप बी.वि.वि.प्रा./आर5 को "बी.वि.वि.प्रा./आर6" के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।

एन. रंगाचारी, अध्यक्ष

[सं. विज्ञापन 3/4/असाधारण/61/02]

**INSURANCE REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY****NOTIFICATION**

Hyderabad, the 26th February, 2003

**Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies)  
(Amendment) Regulation, 2003**

**F. No. IRDA/Reg./26/2003.**—In exercise of the powers conferred by Section 114 A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) read with Section 26 of the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999), the Authority, in consultation with the Insurance Advisory Committee, hereby makes the following regulations to amend the Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies)(Amendment)Regulations, 2003.
- (2) They shall come into force on the date of their publications in the official gazette, except clause (ii) of regulation 2, which shall be deemed to have come into force with effect from 1<sup>st</sup> April, 2001.
2. In the Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000,-
  - (i) In sub-regulation (1) of regulation 20, for the existing words preceding clause (a) thereof, the following words shall be substituted:
 

“(1) An insurer, who has been granted a certificate under section 3 of the Act, shall make an application in Form IRDA/R5 for the renewal of the certificate in Form IRDA/R6 to the Authority before the 31<sup>st</sup> day of December each year, and such application shall be accompanied by evidence of the payment of the fee which shall be higher of,-“
  - (ii) At the beginning of clause (b) of sub-regulation(1) of regulation 20, the words “one-fifth” shall be substituted with the words “one-tenth”.
  - (iii) After Form IRDA/R4, the following Form shall be added as Form IRDA/R5:

**“FORM IRDA/R5  
Application for Renewal**

Date:

From : (Name of insurer)

To: Insurance Regulatory and Development Authority,

Dear Sir,

As required by Regulation 20 of Insurance Regulatory and Development Authority

(Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000, we hereby apply for renewal of registration for the year .....to.....

Our total gross premium written direct in India during the financial year .....to..... was Rs. ....

Accordingly, we enclose a bank draft no. .... dated..... drawn on ..... , Hyderabad, for Rs. ....

Kindly issue the renewal of registration certificate.

Yours faithfully,

(Name of signatory)

(Designation)

Note: The renewal of registration shall be for financial year.

The fees for year 1.4.x to 31.3.x+1 shall be based on gross premium for financial year 1.4.x-2 to 31.3.x-1. This figure shall tally with audited Annual Accounts figure.

Application for renewal for year 1.4x to 31.3.x-1 shall be sent to the Authority before 31.12.x-1."

- (iv) After the addition of the aforesaid Form, the existing Form IRDA/R5 prescribing the Format of Renewal of Registration shall be re-numbered as "Form IRDA/R6".

N. RANGACHARY, Chairperson  
[No. ADVT. 3/4/Extraordinary./161/02]